॥ मच गया शोर सारी नगरी रे गीत ॥

Chalisamantras.com

मच गया शोर सारी नगरी रे,
सारी नगरी रे,
आया बिरज का बांका,
संभाल तेरी गगरी रे ।
अरे मच गया शोर सारी नगरी रे,
सारी नगरी रे...

देखो अरे देखो कहीं ऐसा न हो जाए,
चोरी करे माखन तेरा जिया भी चुराए,
अरे धमकाता है इतना तू किसको,
डरता है कौन आने दे उसको,
ऐसे न बहुत बोलो,
मत ठुमक ठुमक डोलो,
चिल्लाओगी तब गोरी,
जब उलट देगा तोरी,
गगरी आ के बीच डगरी रे ।

मच गया शोर सारी नगरी रे,
सारी नगरी रे,
आया बिरज का बांका,
संभाल तेरी गगरी रे ।

जाने क्या करता अगर होता कहीं गोरा,
जा के जमुना में ज़रा शक्ल देखे छोरा,
बिंदिया चमकाती रस्ते में न जा,
मनचला भी है गोकुल का राजा,

Chalisamantras.com

पड़ जाये नहीं पाला,
राधा से कहीं लाला,
फिर रोयेगा गोविंदा,
मारेगी ऐसा फंदा,
गर्दन से बंधेगी ऐसी चुनरी रे ।

मच गया शोर सारी नगरी रे,
सारी नगरी रे,
आया बिरज का बांका,
संभाल तेरी गगरी रे ।

Chalisamantras.com

Chalisamantras.com